

खबर संक्षेप

आज हर गांव के स्कूल में नए वोट बनाए जाएंगे
नरवाना। कैबिनेट मंत्री के निजी सहायक जसबीर नैन ने बताया कि नरवाना में 29 अगस्त को प्रत्येक गांव स्कूल में वोट बनाए गए और वोट बनवाने का ये कार्य 30 अगस्त को भी जारी रहेगा। जिस घर में कोई भाई, बहन, बेटी या बहू 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की है और उसका वोट नहीं बना है, वह अपना वोट बनवा सकता/सकती है। वोट बनवाने के लिए जिन दस्तावेजों की आवश्यकता होगी उनमें बच्चे का स्कूल सर्टिफिकेट, पिता का वोटर कार्ड, बैंक कॉपी, आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेज।

उचाना में 16वां रक्तदान महाशिविर आज
उचाना। जीतगर फाउंडेशन की ओर से 30 अगस्त को महाराजा अमरसेन धर्मशाला उचाना मंडी में 16वें रक्तदान महाशिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। मा. रामप्रसाद ने क्षेत्रवासियों से रक्तदान महाशिविर में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि रक्तदान महानदान है और हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने में मददगार बन सकता है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से शिविर में पहुंचकर इस पुनीत कार्य में योगदान देने का आह्वान किया।

कला धाम में हर्षोल्लास से मनाया राखी उत्सव
जींद। रक्षा बंधन के पानवन अवसर पर महान शक्ति संगठनए कला धाम की ओर से महान नगरी स्थित कला धाम मंदिर में राखी उत्सव श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संगठन के अनुयायियों ने कला धाम के संस्थापक अध्यक्ष पूर्ण पारब्रतम महानानी महान कलाधारी महाराज के श्रीचरणों में रक्षा सूत्र अर्पित किया। इसके बाद अनुयायियों ने कला धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि सुखदेव महाराज को रक्षा सूत्र बांध कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। राखी उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

विधायक जरनैल सिंह से दुर्व्यवहार दुर्भाग्यपूर्ण
उचाना। भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने विधानसभा में विधायक जरनैल सिंह के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि सदन लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां प्रत्येक जनप्रतिनिधि को अपनी बात रखने का समान अधिकार मिलना चाहिए। विधायक अत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस विधायक इंद्रु नरवाल द्वारा एक दलित सिख विधायक के साथ किया गया व्यवहार लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। 1984 के सिख दंगों का दर्द सिख समाज के लिए आज भी संवेदनशील और पीड़ादायक विषय है।

संदिग्ध हालात में युवती लापता, मामला दर्ज
जींद। भटनागर कालोनी से युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर शहर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। भटनागर कालोनी निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 23 अगस्त को उसकी बेटी घर से गायब हो गई। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी बेटी का कोई सुराग नहीं लगा। शहर थाना पुलिस ने व्यक्ति की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ से मिले मनीष जांगड़ा
उचाना। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से राज्यसभा सांसद डॉ. अजीत माधनराव के निजी सचिव मनीष जांगड़ा डूमरखा ने औपचारिक भेंट की। इस दौरान एमपी लीड फेलोशिप के माध्यम से युवाओं को राजनीति, नीति-निर्माण और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने को लेकर चर्चा हुई। डूमरखा ने फेलोशिप के उद्देश्यों और युवाओं को नेतृत्व के लिए तैयार करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

चरखी दादरी में 59वीं राज्य स्तरीय स्कूल खेल कराटे प्रतियोगिता में चमकाया स्कूल का नाम

इंडस स्कूल के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

चरखी दादरी में आयोजित 59वीं राज्य स्तरीय स्कूल खेल कराटे प्रतियोगिता में इंडस पब्लिक स्कूल जींद के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों से आए प्रतिभावान खिलाड़ियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में इंडस पब्लिक स्कूल उचाना। जीतगर फाउंडेशन की ओर से 30 अगस्त को महाराजा अमरसेन धर्मशाला उचाना मंडी में 16वें रक्तदान महाशिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। मा. रामप्रसाद ने क्षेत्रवासियों से रक्तदान महाशिविर में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि रक्तदान महानदान है और हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने में मददगार बन सकता है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से शिविर में पहुंचकर इस पुनीत कार्य में योगदान देने का आह्वान किया।



जींद। कराटे प्रतियोगिता में परचम लहराने वाले बच्चों को सम्मानित करते हुए।

विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में आगे बढ़ने के लिए भी निरंतर प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि इन हौनहार खिलाड़ियों की उपलब्धि निश्चित रूप से अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत है। उनकी सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर किसी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। स्कूल उपप्राचार्य प्रवीन कुमार ने भी खिलाड़ियों की सफलता पर प्रसन्नता, व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने खिलाड़ियों के भविष्य की प्रतियोगिताओं में भी इसी प्रकार मेहनत और लगन के साथ प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।



खेलकूद में शामिल बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित करते प्रिंसिपल बलजीत गोयत।

प्रत्येक विद्यार्थी को अपने जीवन में एक खेल में भागीदारी अवश्य करनी चाहिए : बलजीत गोयत

उज्ज्वल भविष्य की कामना

खेल विद्यार्थियों को जीवन में संघर्ष करने, हार से सीखने और निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य बलजीत ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मेकिंग तथा विभिन्न खेल-कूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने इन गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रधानाचार्य बलजीत गोयत ने विद्यार्थियों को खेलों के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि हर

विद्यार्थी को जीवन में कम से कम एक खेल में अवश्य भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक मजबूती, अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास करते हैं।



जींद। प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

फोटो :हरिभूमि

मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित की

जींद। छोटाराम किसान महाविद्यालय में हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद के जन्मोत्सव के अवसर पर खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित खेल उत्सव में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ और खिलाड़ियों ने मेजर ध्यानचंद की श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और स्टाफ ने खेलों के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस को जीवन का हिस्सा बनाने की शपथ ली। उन्होंने संकल्प लिया कि वे स्वयं को फिट रखने के साथ समाज के अन्य लोगों को भी स्वस्थ जीवनशैली और नियमित शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करेंगे। खेल प्रतियोगिता में हंडर और आउटडोर दोनों प्रकार की खेल गतिविधियां आयोजित की गईं। इनमें छात्र व छात्राओं ने बढ़चढ़ कर भाग लेते अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। महाविद्यालय परिसर में दिनभर खेल गतिविधियों को लेकर उत्साह का माहौल बना रहा। प्रतियोगिता का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डा. जगबीर सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में समय-समय पर देश की महान विभूतियों के स्मरण में इस प्रकार के आयोजन किए।

बैडमिंटन में लवली, पारुल, सिमरन का शानदार प्रदर्शन

नरवाना। मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राजीव गांधी सनतानधर्म सहशिक्षा महाविद्यालय, में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया और खेल भावना का परिचय दिया।महाविद्यालय में बैडमिंटन, वॉलीबॉल एवं खो-खो प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। बैडमिंटन प्रतियोगिता में लवली, पारुल, सिमरन एवं बबिता ने अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं वॉलीबॉल प्रतियोगिता में मोनू, सहिल एवं जतिन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। खो-खो प्रतियोगिता में डिपल, नैसी, हर्ष एवं काजल आदि की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया।इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. बबिता गर्ग ने विद्यार्थियों को संबोधित करते कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है। खेलों से छात्रों का शारीरिक एवं मानसिक विकास होने के साथ-साथ उनमें अनुशासन, सहयोग, आत्मविश्वास व नेतृत्व की भावना भी विकसित होती है।



जींद। खेलों में भाग लेते खिलाड़ी।

फोटो :हरिभूमि

राष्ट्रीय खेल दिवस पर छात्रों ने दिखाया दमखम

जींद। आधारशिला विद्यालय में शनिवार को महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साह, उर्जा और खेल भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न खेल गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय ध्वज फहराकर किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को खेलों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई तथा नियमित रूप से खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय में आयोजित रस्साकशी, दौड़, नृत्य सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यार्थियों में जीत के लिए उत्साह और एक-दूसरे का मनोबल बढ़ाने की भावना देखने को मिली। पूरे विद्यालय परिसर में दिनभर जोश और उमंग का माहौल बना रहा।



एसडी कन्या कॉलेज में रस्सा-कस्सी के मैच का शुभारंभ करवाते प्राचार्या।

100 मीटर दौड़ में सुदेश अक्वल, अनु द्वितीय
उचाना। एसडी कन्या कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन प्राचार्या डॉ. अंजू रानी की अध्यक्षता में किया गया। शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता रितु कुमारी ने छात्राओं को खेल दिवस के महत्व और मेजर ध्यानचंद के योगदान की जानकारी दी। छात्राओं ने खो-खो, कबड्डी, रिले रेस, 100 मीटर दौड़ व रस्साकशी में उत्साहपूर्वक भाग लिया। 100 मीटर दौड़ में सुदेश प्रथम, अनु द्वितीय और प्रियंका तृतीय स्थान पर रहीं। प्राचार्या व स्टाफ ने विजेता छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। शिवागिया पब्लिक स्कूल उचाना मंडी में स्पोर्ट्स डे का आयोजन उत्साह के साथ किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। लंबी कूद, 200 मीटर दौड़ के बालिका वर्ग में पालक तथा बालक वर्ग में अमिर्तेज ने प्रथम स्थान हासिल किया। वॉलीबॉल में भी छात्रों ने खेल भावना का प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्या प्रेमिला मलिक ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी।



जींद। प्रतियोगिता के दौरान मौजूद महिला स्टाफ।

फोटो :हरिभूमि

कर्मियों को पढ़ाया नैतिकता का पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में शनिवार को कंटेक्टर आधार पर आए नए कर्मचारियों को नैतिकता का पाठ पढ़ाया गया। सीएमओ डा. सुमन कोहली, पीएमओ डा. रघुवीर पूनिया के दिशा-निर्देशन में डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने सभी 40 कर्मियों को अस्पताल में आने वाले हर मरीज व उसके तामिरदार से शिष्टाचार से पेश आने के लिए कहा। इसके अलावा सभी कर्मचारी समय से अपनी ड्यूटी पर पहुंचें। हर हाल में डेरस कोड की पालना की जाए। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि

■ मरीजों से शिष्टाचार पूर्वक पेश आएँ कर्मचारी : डा. भोला

नागरिक अस्पताल में जो भी आता है, कर्मियों को चाहिए कि वो उनसे शिष्टाचारपूर्वक पेश आएँ। कभी किसी कर्मी से कोई जानकारी मांगी जाती है तो उसे वह जानकारी दी जाए न कि उसे गुस्सा दिखाया जाए।डिप्टी एमएस राजेश भोला ने कहा कि जो भी नागरिक अस्पताल में कार्य कर रहा है उसे अपना आईडी कार्ड अवश्य डालना चाहिए। इसके अलावा सफाई व्यवस्था पर भी विशेष तौर पर ध्यान दिया जाना चाहिए। नागरिक अस्पताल में जो भी आता है उससे सम्मानपूर्व व्यवहार किया जाए। कभी भी किसी को कोई गुस्सा व

अपशब्द न कहे जाएँ। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीज को उपचार के लिए मदद करना हमारी नैतिक जिम्मेवारी है। इस कार्य में कर्मियों को भी अपना सहयोग देना चाहिए। अस्पताल में किसी तरह की रिश्ततखोरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएग। नागरिक अस्पताल जनता का अस्पताल है और यहां आने वाले हर नागरिक को विभाग द्वारा देय हर सुविधा उपलब्ध करवाना हमारा नैतिक फर्ज है। इसलिए कर्मियों को चाहिए कि वो अस्पताल में आने वाले हर मरीज व उसके तामिरदार से शालीनतापूर्वक व्यवहार करें। उन्होंने कर्मियों को सलाह दी कि वो बायोमेट्रिकल वेस्ट को अलग-अलग डिस्पोज करें।



नरवाना। अभिभावक एवं शिक्षक बैठक में भाग लेते हुए।

फोटो :हरिभूमि

सर्वांगीण विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा

नरवाना। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बेनरखा में आज शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। अध्यापक प्रदीप जागलान ने बताया कि बैठक में विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन, विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों तथा उनके सर्वांगीण विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अभिभावकों के साथ विस्तार से चर्चा की गई। प्रधानाचार्य बलजीत गोयत ने अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में विद्यालय और अभिभावकों की संयुक्त भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे बच्चों की नियमित पढ़ाई, गृहकार्य, अनुशासन और विद्यालय में उनकी उपस्थिति पर विशेष ध्यान दें। बैठक के दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों को विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों, कमजोर विषयों, शैक्षिक उपस्थिति तथा कक्षा में प्रदर्शन के बारे में जानकारी दी।उन्होंने अभिभावकों से विद्यालय द्वारा आयोजित गतिविधियों में सक्रिय सहयोग देने की अपील की।



जींद। कार्यक्रम में चित्र के सामने पुष्प अर्पित करती प्राचार्या डॉण पूनम मोर।

वर्तमान समय में खेलों के क्षेत्र में अपार संभावनाएं

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में वार्षिक खेल दिवस का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम मोर ने मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने खो-खो प्रतियोगिता में बढ़चढ़ कर भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्राचार्या डा. पूनम मोर ने मेजर ध्यानचंद के जीवन एवं खेल उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में खेलों के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे पढ़ाई के साथ-साथ खेल गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। खेलों से आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। खेल प्रेमारी डा. मीना ने सभी प्रतिभागी छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि महाविद्यालय की अनेक छात्राएं विभिन्न खेलों में शानदार प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन कर रही हैं।



जींद। योग क्रियाएं करते हुए बच्चे।

फोटो :हरिभूमि

सभा की शुरुआत प्रार्थना एवं सकारात्मक विचारों के साथ हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने विभिन्न योगासन एवं सरल व्यायाम प्रस्तुत

किए। उन्होंने बताया कि नियमित योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाने से शरीर स्वस्थ रहने के साथ मन शांत और एकाग्र रहता है। खेल

ख़बर संक्षेप

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विद्यार्थियों ने लिया संकल्प

राजौंद । राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर ब्राइट ओपन माईंड्स इंटरनेशनल स्कूल, राजौंद में महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को खेलों के महत्व, अनुशासन, मेहनत, टीम भावना एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। विद्यार्थियों ने खेल गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और खेलों के प्रति उत्साह दिखाया। विद्यार्थियों को मेजर ध्यानचंद के जीवन एवं उनकी खेल उपलब्धियों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

जन्मदिन पर जयंत के चेहरे पर आई खुशी

राजौंद । आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में कक्षा पहली के विद्यार्थी जयंत मजरा का जन्मदिन उत्साह और खुशी के साथ मनाया गया। जन्मदिन के अवसर पर कक्षा में विशेष आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा का माहोल खुशी और उल्लास से भर गया। जयंत मजरा ने अपने सहपाठियों और शिक्षकों की उपस्थिति में केक काटकर जन्मदिन मनाया। इसके बाद कक्षा के सभी विद्यार्थियों को टॉफियां वितरित की गईं। केक और टॉफियां पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। सभी विद्यार्थियों ने जयंत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

पुलिस ने चोरी के मामले में आरोपी को किया काबू

कैथल । कलायत में मकान का ताला तोड़कर इन्वर्टर और बैटरी चोरी करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। थाना कलायत प्रभारी एसआई अमन की टीम ने इंदिरा कॉलोनी कलायत निवासी सर्जींदर उर्फ सिंधा को काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इंदिरा कॉलोनी निवासी सचिन ने शिकायत दी थी कि वह 28 अगस्त को अपने मकान पर ताला लगाकर काम पर गया था। शाम करीब 6 बजे वापस लौटने पर मकान का ताला टूटा मिला। अंडर जाकर जांच करने पर इन्वर्टर और बैटरी गायब मिली। शिकायत के आधार पर थाना कलायत में मामला दर्ज किया गया। जांच दौरान पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

गोलन ने महेश चौहान से की शिष्टाचार भेंट

पुंडरी । भाजपा किसान मोर्चा जिला हांसी के प्रभारी चौ. बलकार गोलन ने किसान मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष महेश चौहान से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान चौ. बलकार गोलन ने महेश चौहान को प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। भेंट के दौरान संभटन को मजदूत करने, किसान मोर्चा की गतिविधियों को आगे बढ़ाने तथा किसानों से जुड़े विषयों को लेकर चर्चा की गई। चौ. बलकार गोलन ने कहा कि भाजपा किसान मोर्चा किसानों के हितों को लेकर निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि सरकार की किसान हितैषी योजनाओं और नीतियों की जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाएं।

विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में किया शारीरिक दक्षता का प्रदर्शन

हरीभूमि न्यूज ►►गुहला चौका

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में शहीद गुरदीप सिंह मुल्लानी सीएमईईई अगौंध में योग प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों शहीद भगत सिंह सदन, सुभाष चंद्र बोस सदन, चंद्रशेखर आजाद सदन तथा रानी लक्ष्मीबाई सदन के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर

हवा भरने वाली मशीनें खराब, प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा भी नदारद

कैथल शहर और आसपास के पेट्रोल पंपों पर नहीं मिल रही मूलभूत सुविधाएं



कैथल । कोयल कांग्लेक्स स्थित पेट्रोल पंप पर हवा भरने की सुविधा नहीं ।

शहर व आसपास स्थित कई पेट्रोल पंपों पर वाहन चालकों को पेट्रोल-डीजल के अलावा मिलने वाली मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। पेट्रोल पंपों पर हवा भरने वाली मशीनें लंबे समय से खराब पड़ी होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। वहीं कई स्थानों पर प्राथमिक चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में वाहन चालकों को छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहन चालकों का कहना है कि पेट्रोल पंपों पर सरकार और संबंधित तेल कंपनियों की ओर से ग्राहकों के लिए विशेष रूप से जरूरी है। सफर के दौरान टायर में हवा कम होने पर चालक पेट्रोल पंप का रुख करते हैं, लेकिन मशीन खराब होने के

कारण उन्हें अन्य स्थानों पर जाना पड़ता है। इससे समय और परेशानी दोनों बढ़ते हैं।

प्राथमिक चिकित्सा सुविधा भी जरूरी

पेट्रोल पंपों पर प्राथमिक चिकित्सा से संबंधित आवश्यक व्यवस्था होना भी महत्वपूर्ण है। किसी हादसे या अचानक स्वास्थ्य संबंधी परेशानी की स्थिति में तत्काल प्राथमिक उपचार मिल सके, इसके लिए आवश्यक सामान उपलब्ध होना चाहिए। ग्राहकों का आरोप है कि कई पेट्रोल पंपों पर इस ओर भी पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा।

मेजर ध्यानचंद के आदर्शों से प्रेरणा लेकर खेलों में आगे बढ़ें विद्यार्थी

■ राष्ट्रीय खेल दिवस पर पबनावा स्कूल में वॉलीबॉल का आयोजन पौधरोपण भी हुआ

हरीभूमि न्यूज ►► ढांड

शहीद कैप्टन जसमिंदर सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पबनावा में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने वॉलीबॉल खेल में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पौधरोपण के साथ किया गया तथा खेल जगत की महान हस्ती एवं हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धापूर्वक याद



ढांड । विजेन्द्र मेहला खिलाड़ियों से रूबरू होते हुए ।

किया गया। कार्यक्रम में भाजपा ढांड मंडल अध्यक्ष एवं ढांड माकेट कमेटी के चेयरमैन विजेन्द्र मेहला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विद्यालय पहुंचने पर स्कूल स्टाफ एवं ग्रामीणों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा फूल मालाओं से उनका भव्य

स्वागत किया। चेयरमैन विजेन्द्र मेहला ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

चाय पर चर्चा में विकास का संदेश, राणा बोले भाजपा की नीतियां से हो रहा हर वर्ग का उत्थान

हरीभूमि न्यूज ►► कलायत

भाजपा प्रांतीय सचिव एवं जिला प्रभारी अमरपाल राणा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार हरियाणा के विकास को नई गति देने के लिए दिन-रात सक्रियता से कार्य कर रही हैं। सरकार की प्राथमिकता समाज के प्रत्येक वर्ग का उत्थान करने के साथ-साथ सार्वजनिक विकास कार्यों को मजबूती और गुणवत्ता के साथ पूरा करवाना है। उन्होंने कहा कि विकास की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना भाजपा की सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अमरपाल राणा देर सांय हरियाणा नंबरदार एसोसिएशन के प्रांतीय

नियमानुसार दी जानी चाहिए ये सुविधाएं

- पीने का पानी – गाहकों के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था।
- शौचालय – पुरुषों और महिलाओं के लिए साफ-सुथरे शौचालय की सुविधा।
- हवा भरने की सुविधा – वाहनों के टायरों में हवा की सुविधा।
- प्राथमिक उपचार दुरुदंगा या चोट की स्थिति में प्राथमिक उपचार की सामग्री।
- अग्निशमन व्यवस्था – आग से सुरक्षा के लिए अग्निशमक यंत्र और आवश्यक सुरक्षा इंतजाम।
- शिकारत पुरितक/शिकारत व्यवस्था – गाहक अपनी शिकारत दर्ज करा सकें।
- डिजिटल भुगतान – यूपीआई, कार्ड आदि से भुगतान की सुविधा, जहां उपलब्ध हो।
- माप की पारदर्शिता – पेट्रोल-डीजल की मात्रा सही माप से देने तथा डिस्पेंसर पर स्पष्ट रीडिंग दिखाने की व्यवस्था।
- रेट डिस्प्ले – पेट्रोल और डीजल की वर्तमान कीमत प्रदर्शित करना।
- आपातकालीन संपर्क/सुरक्षा निर्देश – पंप परिसर में आवश्यक सुरक्षा एवं आपातकालीन निर्देश प्रदर्शित करना।

सेवा मांगने पर करते हैं बहस

वाहन चालक नेहरु गार्डन कालोनी कैथल के विक्रम सहरण ने बताया कि जब वह पेट्रोल पंप कर्मचारियों से निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध करवाने की मांग करता है तो उनके साथ उचित व्यवहार नहीं किया जाता। गाहकों के अनुसार कई बार कर्मचारी सुविधा उपलब्ध करवाने के बजाय बहस करने लगते हैं। इससे वाहन चालकों में रोष है। लोगों ने जिला प्रशासन और संबंधित तेल कंपनियों से शहर व आसपास के पेट्रोल पंपों का निरीक्षण करवाने तथा निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करने की मांग की है। वाहन चालकों का कहना है कि पेट्रोल पंपों पर गाहकों से निर्धारित राशि लेने के साथ उन्हें नियमानुसार मिलने वाली सुविधाएं भी उपलब्ध होनी चाहिए।

करवाई जाएगी जांच : इंस्पेक्टर

कैथल के जिला खाद्य एवं आपूर्ति निरीक्षक विक्रम ने बताया कि विमागीय नियमानुसार पेट्रोल पंपों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जानी आवश्यक है। वे संबंधित अधिकारी के माध्यम से इसकी जांच करवाई जाएगी तथा जांच में जो भी कमी सामने आएगी उसके अनुसार विमागीय कार्यवाही की जाएगी।

खेलों से मजबूत होता है शरीर

गुहला-चीका । राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चीका में लीगल लिटरेसी क्लब के तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्य अशोक कुमार के संबोधन से हुई। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व और जीवन में खेलों की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रखने के उद्देश्य से विद्यालय में विभिन्न खेल एवं गतिविधियां करवाई गईं। इनमें योग, विभिन्न आसन, क्रिकेट, लंबी कूद, बैडमिंटन, खो-खो और नृत्य सहित कई प्रतियोगिताएं शामिल रहीं। विद्यार्थियों के साथ अध्यापकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सीबीएसई नॉर्थ जोन-2 जूडो में वैभव को स्वर्ण, आयुष को रजत

■ दोनों खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर पर हुआ चयन

हरीभूमि न्यूज ►►कैथल



पदक अपने नाम किया। दो नों खिलाड़ियों की इस सफलता में म हा रा जा सूरजमल जाट स्टैंडियम, करनाल रोड, कैथल में प्राप्त जूडो प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दोनों खिलाड़ी नियमित रूप से स्टैंडियम में जूडो का प्रशिक्षण लेते हैं। बता दें कि महाराजा सूरजमल जाट स्टैंडियम के खिलाड़ियों ने कुल आठ मैडल जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धि पर उनके परिवारजनों, विद्यालयों एवं खेल प्रेमियों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। खिलाड़ियों ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अभ्यास, अनुशासन, मेहनत और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया।

हाबडी स्टेडियम में करवाया हॉकी मैच

कैथल। हाबडी हॉकी स्टेडियम में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में हॉकी मैच का आयोजन किया गया । यह मैच हाबडी की गर्ल हॉकी नर्सरी व बरसाना की गर्ल टीम के बीच खेला गया जिसमें हाबडी हॉकी नर्सरी 3-2 से विजेता रही । इस अवसर पर माननीय सांसद नवीन जिंदल की और अरविंद गोलन (नवीन जिंदल ऑफिस कैथल),सरपंच गुरविंदर सिंह, गुरुजीत अंतराष्ट्रीय बक्सिंग कोच, हॉकी सेक्रेटरी रमेश कुमार, हॉकी प्रधान सरदार सरूप सिंह, सुरेंद्र प्रताप हॉकी कोच, रामदिया शर्मा डीपीई, ललप्रीत सिंह नर्सरी कोच, शेर सिंह नर्सरी कोच, विशाल शर्मा हॉकी कोच व गांव के अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। हमारे सरपंच गुरविंदर सिंह ने खिलाड़ियों को खेलो के फायदे और उनमें खिलाड़ियों के भविष्य के बारे में बताया और वहीं सरपंच ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद के जीवन परिचय और ओलिंपिक खेलों में भारत इतिहास के बारे में बताकर प्रोत्साहित किया।



राजौंद । प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी एवं मौजूद स्टाफ सदस्य ।

वहीं कैरम में कुल आठ टीमों ने भाग लिया। इसमें बीए तृतीय वर्ष के विशाल ने प्रथम, बीए प्रथम वर्ष की मधुबाला ने द्वितीय तथा बीए प्रथम वर्ष की रेनु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बीए प्रथम वर्ष की श्रीश्रुष्टि को सांत्वना

पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर कार्यवाहक प्राचार्य रोहतास नैन, सहायक प्राध्यापक राममेहर सिंह, सहायक प्राध्यापक हंसराज शर्मा एवं प्रतियोगिता की संयोजक मनीषा उपस्थित रहीं।

न्यूज डायरी



कपिल मुनि तीर्थ के संरक्षण का संकल्प

कलायत। कलायत के प्राचीन कपिल मुनि तीर्थ पर आयोजित संस्था वंदना कार्यक्रम देखते ही देखते श्रद्धा, आस्था और ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण का जनसंकल्प बन गया। सरोवर तट पर उमड़े श्रद्धालुओं के जनसेवाबल ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भगवान कपिल मुनि की महिमा के जयघोष और गंधुर् भजनो से तीर्थ परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम का मुख्य अतिथि भाजपा प्रांतीय सचिव एवं जिला प्रभारी अमरपाल राणा रहे। जबकि इंदौर के समाजसेवी अशोक कुमार ने मुख्य यजमान के रूप में धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया। सांसद नवीन जिंदल के प्रतिनिधि रवींद्र धामीन विभिन्न अतिथि के रूप में तीर्थ पर पहुंचे। कपिल मुनि तीर्थ कमेटी के प्रधान राजू कौशिक व भाजपा मंडल अध्यक्ष राजीव राजपूत की अनुवाह में अतिथियों का अभिन्नबद्ध किया गया।



श्रीमद्भागवत महापुराण मानव जीवन का मार्गदर्शक

कैथल। श्री गौता भवन मंदिर के प्रांगण में आयोजित तीन दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य यजमान के रूप में हरियाणा प्रदेश राइस मिलर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन प्रदेशअध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा ने शिरकत की। इस अवसर पर अमरजीत छाबड़ा ने परिजनों व श्रद्धालुओं के साथ श्रीमद्भागवत महापुराण को सिर पर धारण कर सनातन धर्म मंदिर से गौता भवन मंदिर तक भव्य शोभायात्रा निकाली। अपने संबोधन में प्रदेशअध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण केवल कथा अथवा धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव जीवन का मार्गदर्शन करने वाला दिव्य प्रकाश है। भागवत हमें यह संझाती है कि मनुष्य का जीवन कैथल भौतिक सुख-सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका वास्तविक उद्देश्य आत्मिक उन्नति, परमार्थ, सेवा, सदाचार और प्रभु की भक्ति में निहित है।

ईश्वर सिंह कन्या कॉलेज में राष्ट्रीय खेल दिवस मना

पुंडरी। चौ ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय पुंडरी में मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस चौ. ईश्वर सिंह कन्या कॉलेज फतेहपुर पुंडरी में 29 अगस्त को हरियाणा उच्चतर शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। इसमें छात्रों के लिए रस्साकशी, फुटबॉल मैच, 100 मीटर दौड़ और शटल रन जैसी रोमांचक प्रतियोगिताएं करवाई गईं। सभी प्रभागों छात्रों ने इन स्पर्धाओं में अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया । महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष चौ. तेजवीर सिंह ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बेटीयां खेल के मैदान में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपना और अपना देश का नाम रोशन कर रही हैं।

खबर संक्षेप

अभियान चलाकर दिया स्वच्छता का संदेश

उचाना। एक कदम स्वच्छता की ओर अभियान के तहत उचाना में बाजारों व सार्वजनिक स्थानों पर गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डस्टबिन में डालने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान कोऑर्पेटिव सोसायटी के राकेश ने बताया कि गीला कचरा हरे तथा सूखा कचरा नीले डस्टबिन में डाला जाए। उचाना को साफ-सुथरा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। इस तरह के जागरूकता अभियान लगातार चलाकर आमजन को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया जा रहा है।

श्री रैदास तख्त कलायत पर रक्तदान शिविर आज

वेलफेयर एसोसिएशन एवं बहुजन स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन इंडिया (बसवा टीम) द्वारा 30 अगस्त को समाजहित में कलायत स्थित श्री रैदास तख्त कलायत पर 7वां रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का शुभारंभ सुबह ९परंपरा अनुसार श्री रैदास तख्त के मुख्य महंत महात्मा गुरु प्रसाद द्वारा किया जाएगा।

सेठान मोहल्ला में घर के बाहर से बाइक चोरी

कैथल। शहर के सेठान मोहल्ला में घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी हो गई। सिटी थाना पुलिस ने बाइक मालिक की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में एडवोकेट जीवन राम सैनी ने बताया कि वह शाम करीब 5 बजे घर आया था। उसने अपनी बाइक को घर के बाहर खड़ा कर लॉक कर दिया और अंदर चला गया। रात को बाइक अंदर खड़ी करने के लिए बाहर आया तो बाइक गायब मिली।

स्योमाजरा में 16 केवीए के ट्रांसफार्मर चोरी

कैथल। गांव स्योमाजरा के खेतों में लगे दो 16 केवीए के ट्रांसफार्मरों से चोर अंदर का सामान चोरी कर ले गए। बिजली निगम की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर गुहला थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में बिजली निगम के एसडीओ राहुल यादव ने बताया कि स्योमाजरा गांव के खेतों में लगे ट्रांसफार्मरों से चोरी की सूचना उपभोक्ताओं ने कार्यालय में दी थी।

प्रधान पद चुनाव को लेकर हरिकेश ने किया नामांकन

उचाना। ग्रीन डीलर एसोसिएशन उचाना मंडी के प्रधान पद के चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। दो दिवसीय नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन हरिकेश चहल ने चुनाव संचालन कमिटी के समक्ष प्रधान पद के लिए अपना नामांकन पत्र जमा करवाया। प्रधान पद के लिए 16 सितंबर को महाराजा अग्रसेन मंदिर में मतदान होगा। चुनाव में मंडी के 301 आदती अपने मताधिकार का प्रयोग कर प्रधान का चुनाव करेंगे। चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न करवाने के लिए पांच सदस्यीय चुनाव संचालन कमिटी का गठन किया गया है। इसमें पूर्व सरपंच हवा सिंह, वीरेंद्र प्रधान, दलबीर श्योकंद, रामदत्त शर्मा और राजेंद्र सिंह को शामिल किया गया है। कमिटी सदस्य वीरेंद्र प्रधान ने बताया कि प्रधान पद के उम्मीदवार को 11 हजार रुपये की सिक्योरिटी राशि जमा करवानी होगी।

30 अगस्त तक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराएं

जींद। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ॰ वैशाली शर्मा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतानुसार एक जुलाई 2026 को क्वालीफाईंग तिथि मानकर मतदाता सूचियों के विशेष महान पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत मतदाता सूचियों के विशेष द्वाे एवं आपत्तियां 30 अगस्त तक दर्ज करवाई जा सकती हैं। मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 30 अगस्त की संबंधित मतदान केंद्री पर बीएलओ मौजूद रहेंगे। आवश्यक दस्तावेज बीएलओ को जमा करवाकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिन नागरिकों की आयु निर्धारित पात्रता के अनुसार मतदाता बनने के लिए पूरी हो चुकी है लेकिन उनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है वे विशेष अभियान के दौरान संबंधित बीएलओ से संपर्क कर आवेदन करें। इसके अलावा मतदाता पहचान पत्र अथवा मतदाता सूची में दर्ज नाम, पता या अन्य विवरण में किसी प्रकार की शुद्धि की आवश्यकता है तो संबंधित बीएलओ को आवेदन देकर संशोधन भी करवाया जा सकता है।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को खबर मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य खबर दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हड्डा कॉम्प्लेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द

हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल

फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

मांगें पूरी न होने पर 30 को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करने का ऐलान

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ►►जींद

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने शनिवार को प्रदेश की भाजपा सरकार की लाठी मारो की नीति और दमन के खिलाफ हरियाणा के 10 हजार ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने कार्य के दौरान काले बिल्ले, काली पट्टी बांध कर अपना विरोध दर्ज करवाया। ग्रामीण सफाई कर्मियों ने चेताया कि अगर उनकी मांगों को नहीं माना गया तो 30 अगस्त को सभी जिला मुख्यालयों पर एकजुटता प्रदर्शन करेंगे तथा तीन सितंबर को नगर निकाय मंत्री विपुल गोयल के आवास पर पड़ाव डालेंगे।

ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा के प्रधान बसाऊ राम, महासचिव विनोद कुमार, कोषाध्यक्ष संदीप कुमार, उप महासचिव देवीराम और वरिष्ठ उपाध्यक्ष जोगिंदर सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार दलित हितैषी होने का नाटक करती है और दूसरी तरफ सफाई कर्मियों पर पुलिस दमन करके उनकी आवाज दबाने पर चुली हुई है। दमन को इस कार्यवाही को किसी भी सूरत में



जींद। सफीदों गेट पर रिस रहा सीवरयुक्त पानी। फोटो : हरिभूमि

पक्का करने तक विरोध जारी रहेगा

13 मई को नगर पालिका कर्मियों के साथ समझौता करते हुए कच्चे सफाई कर्मियों और अभिनशन के कर्मियों को 30 जून तक पक्का करने की बात इसी सरकार ने स्वीकार की थी। जिसको आज तक लागू नहीं किया है। इतना ही नहीं 15 दिन की हड़ताल के बाद 29 मई को पानीपत में ग्रामीण सफाई कर्मियों के साथ भी पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंचार और सामाजिक न्याय मंत्री कृष्ण बेदी ने 18 से 17

मांगों पर समझौता किया था और कहा था कि 30 जून तक सभी पत्र जारी कर देंगे लेकिन इस सरकार ने ग्रामीण सफाई कर्मियों के साथ भी धोखा किया किया। केवल 2100 रुपये वेतन बढ़ोतरी का अधूरा समझौता लागू किया है। सरकार के साथ जनवरी 2026 से ये वेतन बढ़ोतरी देने का समझौता हुआ था, जिसको सरकार ने जुलाई से लागू करके 12600 रुपये प्रति कर्मचारी हजम कर लिया।

हड़ताल पर हैं। इस हड़ताल के लिए कोई और नहीं सिर्फ हरियाणा सरकार जिम्मेदार है। क्योंकि हरियाणा की समझौता करो और लागू ना करो कि नीति बन चुकी है।

संजय शर्मा मट्टा एसोसिएशन उचाना ब्लॉक के प्रधान बने

हरिभूमि न्यूज ►►जींद

गांव थुआ के गणेश भट्टा पर शनिवार को उचाना ब्लॉक भट्टा स्वामियों की बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता भट्टा एसोसिएशन के जिला प्रधान प्रवीण ढिल्लो ने की। बैठक में भट्टा स्वामियों ने समस्याओं पर चर्चा की और उचाना ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से संजय शर्मा को उचाना ब्लॉक का प्रधान नियुक्त किया गया। नवनियुक्त ब्लॉक प्रधान संजय शर्मा ने कहा कि भट्टे वालों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करेंगे व तन-मन-धन से भट्टा



जींद। बैठक में भाग लेते हुए भट्टा स्वामी। फोटो : हरिभूमि

उद्योग की सेवा करेंगे। इस मौके पर मास्टर ओमप्रकाश, वीरेंद्र गोयत, मोरेश खटकड़, आर्यन हार, हरेंद्र छात्तर, ईश्वर, संडील, सुरेंद्र नयूरां, पप्पू नयूरां, राजा

खापड़, रामनिवास चहल, विजय सिंधु, संदीप, मुन्ना उचाना, सुमित गोयत, दीपक जैन, अजयपाल यादव, बलजीत सिंह आदि कई भट्टा स्वामी मौजूद रहे।

धान की खरीद 15 सितंबर से शुरू करें

- 3 सितम्बर को रादौर किसान महापंचायत में भाकियू (चट्टनी) लेगी बड़े फैसले : विक्रम कसाना

हरिभूमि न्यूज ►►पुंडरी

भारतीय किसान यूनियन (चट्टनी) की हल्का स्तरीय बैठक किसान भवन, पुंडरी में जिला अध्यक्ष गुरनाम सिंह फरल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में युवा प्रदेश अध्यक्ष विक्रम कसाना एडवोकेट व प्रदेश उपाध्यक्ष महावीर चहल नरड ने विशेष तौर पर भाग लिया बैठक का संचालन युवा जिला अध्यक्ष विक्रम दुसैण व हल्का अध्यक्ष रणधीर बरसाना ने किया। युवा प्रदेश अध्यक्ष विक्रम कसाना एडवोकेट ने



कहा कि बैठक में आगामी 3 सितंबर को रादौर में आयोजित होने वाली किसान महापंचायत को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। महापंचायत को सफल बनाने के लिए संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां और ड्यूटियां सौंपी गईं। कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि वे अधिक से अधिक

संगठन लगातार संघर्षरत : महावीर

प्रदेश उपाध्यक्ष महावीर चहल नरड ने कहा कि किसानों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए संगठन लगातार संघर्षरत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर किसानों से संवाद स्थापित करें, संगठन को मजबूत करें। इस बैठक में युवा प्रदेश उपाध्यक्ष नरेंद्र मागो, पिथी कौल, बहादुर गोरखी, सुनील गोलन, कर्मवीर पुंडरी, मोनी सिकंदर खेड़ी, गुरुमुख फरल, दीपा कुसैन, सतपाल पुंडरी, बलकार आदि मौजूद रहे।

किसान साथियों को महापंचायत में शामिल होने के लिए प्रेरित करें।

मांग राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला को सौंपा ज्ञापन

समान गोत्र व एक गांव में विवाह पर रोक की मांग

- समिति ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी से भी मुलाकात कर चर्चा की

हरिभूमि न्यूज ►►उचाना

सर्व जातीय डाउन खाप चबूतरा पालवां की तरफ से हिंदू विवाह अधिनियम 1955 में आवश्यक संशोधन की मांग को लेकर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला को प्रधान रणधीर श्योकंद की अगुवाई में ज्ञापन सौंपा गया। खाप प्रतिनिधियों ने कहा कि सामाजिक व्यवस्था, पारिवारिक मूल्यों, आपसी भाईचारे और आने वाली पीढ़ियों में संस्कारों को मजबूत बनाए रखने के लिए कानून में सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप



उचाना। राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला को ज्ञापन सौंपते हुए सर्व जातीय डाउन खाप प्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

आवश्यक प्रावधान किए जाने चाहिए। ज्ञापन में समान गोत्र में होने वाले विवाह पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा ऐसे विवाह को सपिंड संबंध की श्रेणी में शामिल कर कानूनी रोक का स्पष्ट प्रावधान करने की मांग की

- प्रशासन नहीं निकाल पा रहा हड़ताल का तोड़

- सफीदों गेट पर सीवरेंज पानी का रिसाव, आसपास के दुकानदार बदबू से परेशान

- शहर में फिर लगे कूड़े के ढेर, आमजन ने सरकार से की मध्यस्थता करने की सिफारिश
- गई है। वहीं रानी तालाब पर सफाई कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर धरना जारी रखा। स्थानीय निवासियों ने कहा कि हड़ताल के कारण रोजमर्रा की ज़िंदगी अस्त-व्यस्त हो गई है। कई लोगों ने सरकार से मध्यस्थता करने की मांग की है ताकि दोनों पक्षों के बीच बातचीत हो और समस्या का शीघ्र समाधान निकाला जा सके। आमजन का कहना है कि सफाई कर्मियों की जायज मांगों पर ध्यान देते हुए प्रशासन को शीघ्र समझौता करना चाहिए, अन्यथा शहर की स्वच्छता पूरी तरह चरमरा सकती है।



गुहला चीका। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते नगरपालिका एवं अग्निशमन विभाग के कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

गुहला-चीका में 24वें दिन भी जारी रही कर्मियों की हड़ताल

- 30 अगस्त को रोहतक में होगी बड़ी बैठक

हरिभूमि न्यूज ►►गुहला-चीका

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा एवं अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन से संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर चल रही प्रदेशव्यापी हड़ताल शनिवार को 24वें दिन भी जारी रही। नगर पालिका चीका के पैरोल, डोर-टू-डोर और अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने फायर यूनियन के ब्लॉक कैशियर अशोक कुमार की अध्यक्षता में धरना देकर सरकार के खिलाफ रोष जताया।

मंच संचालन नगर पालिका यूनियन के उपप्रधान अनिल कुमार ने किया। अशोक कुमार ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों और ब्लॉकों के प्रधान, सचिव, कैशियर तथा यूनियन के सक्रिय कार्यकर्ताओं की 30 अगस्त को सुखपुरा चौक स्थित कर्मचारी भवन, रोहतक में बैठक बुलाई गई है।

इसमें आगामी रणनीति पर विचार किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को और तेज

बातचीत से समाधान करें

अशोक कुमार ने कहा कि सरकार की ओर से यह धारणा बनाई जा रही है कि हड़ताल के कारण आम जनता और नपा कर्मचारियों के बीच टकराव होगा, लेकिन 24 दिनों के आंदोलन में जनता भी सरकार की नीतियों को समझ चुकी है। सरकार सभी प्रकार के कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने के लिए नीति बनाए और 13 मई 2026 को पालिका कर्मचारियों की मानी गई मांगों का परिपत्र जारी कर बातचीत के माध्यम से समाधान करें। 31 अगस्त को प्रदेश में सीआईटीयू से जुड़े कर्मचारी नप कर्मचारियों के समर्थन में उपर्युक्त कार्यालयों पर प्रदर्शन करेंगे। धरने में नपा कर्मचारी संघ हरियाणा ब्लॉक चीका के प्रधान पिथी राम, वरिष्ठ उपप्रधान वित्तो देवी, उपप्रधान तलविंदर सिंह, सहसचिव सागर कुमार, सोनू, सुखविंदर, जगप्रकाश, विक्रम, सुरेश, पिकी, सुमन, सीमा, कमलेश, पालो व कुसुम अन्य मौजूद रहे।

करने का निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पालिका एवं अग्निशमन कर्मचारियों, विशेषकर महिला कर्मचारियों के साथ दमनात्मक रवैया अपना रही है।

अधिवक्ता दीपक पिंडारा दिशा समिति सदस्य नियुक्त

- जमीनी स्तर तथा जनहित के मुद्दों को उठाया जाएगा दिशा बैठक में

हरिभूमि न्यूज ►►जींद

युवा कांग्रेस के नेता एवं अधिवक्ता दीपक पिंडारा को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा का गैर अधिकारिक सदस्य नियुक्त किया गया है। अधिवक्ता दीपक पिंडारा ने अपनी नियुक्ति पर सोनीपत से कांग्रेस सांसद सतपाल ब्रह्मचारी का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि पार्टी आला कमान ने उस पर विश्वास जताया है। वह शीर्ष नेतृत्व के उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि जिले में काफी बुनियादी सुविधाओं की कमी है। लोगों को सुविधाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। लोगों की मुलभूत सुविधाओं की अनदेखी की



जींद। सांसद सतपाल ब्रह्मचारी का स्वागत करते हुए दीपक पिंडारा।

जा रही है। जनहित से जुड़े मुद्दों तथा उनकी समस्याओं को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में प्रमुखता से उठाया जाएगा ताकि जनता की समस्याओं को अधिकारियों के सामने रख कर उनका समाधान करवाया जा सके।

समस्याओं का समाधान हो

सोनीपत के सांसद सतपाल ब्रह्मचारी लोस में जनता की आवाज उठाते हैं। सांसद के नेतृत्व तथा मार्गदर्शन में इलाके की समस्याओं को मंच पर उठाते रहेंगे। अधिवक्ता दीपक पिंडारा ने लोगों को विश्वास दिलाया कि इलाके के विकास तथा जनहित के मुद्दों को पूरी गंभीरता के साथ जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति में उठाएंगे ताकि विकास कार्यों को गति तथा अग्रजन की समस्याओं का जल्द समाधान हो।

गति धीमी होने या रुकने के कारणों को भी सामने रखा जाएगा। ऐसे में वे विकास कार्यों को गति देने, लोगों को बुनियादी सुविधाओं के लिए अधिकारियों से मिल कर एक जनता तथा अधिकारियों के बीच सेतु का कार्य करेंगे।

महात्मा गांधी शिक्षा एवं समाज विकास संगठन और ट्रिपल डैश इन्फोटेक के बीच हुआ एमओयू

हरिभूमि न्यूज ►►जींद

युवाओं को शिक्षा के साथ व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता और इंडस्ट्री आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने की दिशा में महात्मा गांधी शिक्षा एवं समाज विकास संगठन जींद और ट्रिपल डैश इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ। दोनों संस्थाओं के बीच शिक्षा, कौशल विकासए इंडस्ट्री ट्रेनिंग और सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। महात्मा गांधी शिक्षा एवं समाज विकास संगठन के अध्यक्ष राजकुमार भोला और ट्रिपल डैश इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर मनदीप गुप्ता ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए और एक-दूसरे को इसकी प्रति प्रदान की। इस अवसर पर आईटी हेड अंकिता खटकड़, सार्थक सिंगला सहित अन्य लोग मौजूद रहे।



जींद। जींद में एमओयू की प्रतियां एक-दूसरे को प्रदान करते संस्था अध्यक्ष राजकुमार भोला एवं कंपनी डायरेक्टर मनदीप गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

संस्था अध्यक्ष राजकुमार भोला ने कहा कि संगठन युवाओं को सीधे इंडस्ट्री से जोड़ने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। इसके लिए विभिन्न इंडस्ट्रीज के साथ टाईअप किए जाएंगे ताकि आने वाले समय में सैकड़ों युवाओं को इंडस्ट्री ट्रेनिंग, व्यावहारिक अनुभव और रोजगारपरक कौशल हासिल करने के अवसर मिल सकें। उन्होंने

कहा कि इंडस्ट्री से जुड़ेंगे युवा तो रोजगार के साथ स्टार्टअप के नए अवसर भी पैदा होंगे। संगठन का प्रयास है कि युवा केवल नैकरी तलाशने वाले न बनें बल्कि अपने कौशल और अनुभव के आधार पर स्वयं का स्टार्टअप शुरू करने में सक्षम बनें और अन्य युवाओं के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करें।

खाप प्रतिनिधियों की मांग

ज्ञापन में वैध विवाह की निर्धारित न्यूनतम आयु में बदलाव नहीं करने की मांग भी की गई। खाप प्रतिनिधियों ने बताया कि सर्व खाप हरियाणा की 31 सदस्यीय समिति द्वारा इन सामाजिक एवं कानूनी मुद्दों को लेकर जनप्रतिनिधियों और सामाजिक नेतृत्व से लगातार संवाद किया जा रहा है। समिति द्वारा कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी से भी मुलाकात कर समाज की भावनाओं और मांगों से अवगत करवा गया है। सर्व जातीय डाउन खाप ने केंद्र सरकार से मांग की कि इन विषयों पर विधि विशेषज्ञों, सामाजिक संगठनों, महिलाओं, युवाओं और विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों से व्यापक विचार-विमर्श कर हिंदू विवाह अधिनियम में आवश्यक संशोधन की प्रक्रिया शुरू की जाए।

गांव को पारिवारिक भाईचारे की महत्वपूर्ण इकाई माना जाता है। खाप ने लिंव-इन रिलेशनशिप से जुड़ी पारिवारिक एवं कानूनी परिस्थितियों को लेकर स्पष्ट व्यवस्था बनाने तथा बच्चों के हितों को सुरक्षित रखने के लिए मां-बाप की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने की मांग भी की। वहीं

प्रेम विवाह के पंजीकरण के समय माता-पिता को अनिवार्य सूचना देने और उन्हें लगभग एक माह का उचित नोटिस देने की व्यवस्था की मांग की गई, परिवार को विवाह की जानकारी मिल सके और वास्तविक कानूनी आपत्ति होने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसे रखा जा सके।

विशेष: जन्माष्टमी, 4 सितंबर

हमारे आराध्य-पथप्रदर्शक पूर्णावतार श्रीकृष्ण

जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नहीं, एक स्मरण है कि कान्हा की हर लीला, हर प्रसंग हमें आचरण के वो पाठ सिखाते हैं, जो आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके युग में थे। यही वजह है कि युगों बाद भी पूर्णावतार श्रीकृष्ण हमारे लिए आराध्य भगवान ही नहीं, शिक्षक की तरह जीवन के पथप्रदर्शक भी बने हुए हैं।

आवरण कथा

रामिनी रामपल्लीवार

भगवान श्रीकृष्ण को हम पूजते हैं, यह सत्य है। मंदिरों में उनकी प्रतिमा सजती है, जन्माष्टमी पर घर-घर दीप जलते हैं और भजनों में उनका नाम गुंजता है। पर यदि कृष्ण केवल पूजा तक सीमित रह जाएं, तो शायद हमने उन्हें आधा ही जाना। उनका अवतारी जीवन कोई कथा-मात्र नहीं, बल्कि ऐसा दर्पण है, जिसमें झाँककर हम अपने आचरण को तराश सकते हैं। वे केवल आराध्य नहीं, आचार्य सदृश पथप्रदर्शक भी हैं। आज की दुनिया में हमारे सामने कुरुक्षेत्र जैसा कोई युद्ध नहीं है, फिर भी हमारे भीतर न जाने कितने युद्ध चल रहे हैं। रिश्तों में अविश्वास है, सफलता की होड़ है, अकेलापन है, विफल होने का डर है और हर समय दूसरों से अपनी तुलना करते रहने की बेचैनी है। ऐसे समय में श्रीकृष्ण को केवल मंदिर में पूजने की नहीं, उनके गुणों को आत्मसात करने की भी जरूरत है।

सच्ची मित्रता की मिसाल: सुदामा और श्रीकृष्ण की मित्रता आज भी मित्रता का सबसे सुंदर उदाहरण है। एक ओर द्वारिकाधीश, दूसरी ओर अभाव में जीवन बिताता उनका बालसखा। जब सुदामा संकोच में लिपटे, साधारण वस्त्र पहने और मुड़ी भर चिवड़ा लेकर द्वारका पहुंचे, तो श्रीकृष्ण ने अपने मित्र को राजसी औपचारिकताओं के पीछे नहीं छिपने दिया। वे आगे बढ़े, उन्हें गले लगाया और उनके लिए छोट-से उपहार को उसी प्रेम से स्वीकार किया, जैसे वह कोई अनमोल भेंट हो। न वहां धन का भेद था, न पद का अहंकार। सच्ची मित्रता समय और परिस्थिति की मोहताज नहीं होती। वह यह नहीं पूछती कि आज तुम कितने सफल हो, बल्कि यह याद रखती है कि तुम कभी मेरे अपने थे। आज जब दोस्ती भी कई बार सुविधा, हैसियत और सामाजिक दायरे से तय होती है, श्रीकृष्ण का जीवन एक सवाल करता है कि क्या हमारे पास ऐसा मित्र है, जिसके सामने हमें अपनी सफलता साबित करने की जरूरत नहीं पड़ती? और क्या हम किसी के लिए ऐसे मित्र हैं?

मित्रता का दूसरा रूप भी: अर्जुन के साथ श्रीकृष्ण की मित्रता इसका दूसरा रूप दिखाती है। यहां वह मित्र भी हैं, सारथी भी और

मार्गदर्शक भी। कुरुक्षेत्र में अर्जुन मोह और दुविधा से घिर गए। श्रीकृष्ण ने उनकी जगह निर्णय नहीं लिया। उन्होंने उनके भीतर के भ्रम को समझा, प्रश्नों का उत्तर दिया और अंततः निर्णय लेने की शक्ति अर्जुन के भीतर ही जगाई। आज के जीवन में भी सच्चा मित्र वही है, जो केवल हमारी हानि में हानि न मिलाए। जब हम भ्रमित हों, तब सही बात कहने का साहस रखे और फिर निर्णय लेने की स्वतंत्रता भी हमें दे।

स्त्री सम्मान के रक्षक: द्रौपदी के अपमान का प्रसंग महाभारत का सबसे पीड़ादायक प्रसंग है। भरी सभा में जब उसकी गरिमा पर आघात हुआ और वह असहाय होकर सहायता की पुकार करती रही, तब श्रीकृष्ण उसके भरोसे का केंद्र बने। पर इस प्रसंग की सबसे बड़ी सीख केवल चमत्कार में नहीं, उस प्रश्न में है जो हमसे पूछता है कि जब किसी स्त्री के सम्मान पर आंच आए, तब हम कहां खड़े होते हैं?

हम कहां खड़े होते हैं? श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि सामर्थ्य का अर्थ केवल स्वयं को सुरक्षित रखना नहीं, बल्कि जरूरत के समय किसी दूसरे की गरिमा की रक्षा के लिए खड़ा होना भी है। आज स्त्री-सम्मान की बातें बहुत होती हैं। लेकिन सम्मान केवल अच्छे-बड़े शब्दों से नहीं आता। वह हमारे व्यवहार, हमारी दृष्टि और उस समय लिए गए निर्णयों में दिखाई देता है, जब किसी के साथ अन्याय हो रहा हो। श्रीकृष्ण का यह रूप हमें संवेदनशील होने के साथ साहसी होना भी सिखाता है।

समर्थ होकर भी विनम्र: श्रीकृष्ण के पास अपार सामर्थ्य था, फिर भी उन्होंने महाभारत के युद्ध में शस्त्र न उठाने का निर्णय लिया और अर्जुन के सारथी बने। एक योद्धा का सारथी बनना किसी शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि विनम्रता का अहंकार से ऊपर रखने का उदाहरण था। आज की दुनिया में सफलता के साथ अहंकार बहुत आसानी से चला आता है। पद बदलता है तो व्यवहार बदल जाता है, कमाई बढ़ती है तो पुराने रिश्ते छोटे लगने लगते हैं। श्रीकृष्ण इसके ठीक उलट खड़े दिखाई देते हैं। वे सिखाते हैं कि ऊँचाई का असली अर्थ ऊपर उठना नहीं, ऊपर उठकर भी सहज बने रहना है।

हर परिस्थिति में संतुलन: श्रीकृष्ण का जीवन संघर्षों से भरा था। जन्म कारागार में हुआ, बाल्यकाल में अनेक संकट आए, मथुरा छोड़कर द्वारका बसानी पड़ी और अंततः अपने ही वंश के

विशेष: शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

भले ही आज दुनिया भर के हर विषय की जानकारी गूगल और एआई के जरिए एक क्लिक पर उपलब्ध है। लेकिन बेहतर मनुष्य बनने के लिए जरूरी सैद्धांतिक, नैतिक और व्यावहारिक ज्ञान शिक्षक ही हमें दे सकता है। तकनीकी क्रांति के दौर में भी शिक्षक की भूमिका कम नहीं हुई है।

गुरुकुल से गूगल-एआई तक बरकरार है शिक्षक की महत्ता

बदलाव / लोकमित्र गौतम

एक समय था, जब ज्ञान प्राप्त करने का अर्थ किसी गुरु के सान्निध्य में बैठकर जीवन को समझना होता था। शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती थी बल्कि वह संस्कार, अनुशासन, विवेक और चरित्र निर्माण का माध्यम भी थी। भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया गया है, क्योंकि वह अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने वाला मार्गदर्शक होता है। लेकिन ये सब पुरानी बातें हैं। आज 21वीं सदी में दुनिया बदल चुकी है। ज्ञान हमारी हथेली पर मौजूद है। मोबाइल फोन में समा गया है। गूगल के माध्यम से हम मिनटों में ही सैकड़ों सवालों के उत्तर दे सकते हैं और अब तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बदौलत दुनिया के जटिल से जटिल सवाल का भी सेकंडों में उत्तर प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या तकनीक के इस युग में गुरु यानी शिक्षक की भूमिका बदल गई है या फिर उसका महत्व पहले से अधिक बढ़ गया है?

ज्ञान कम-जानकारियां बेशुमार: वास्तव में आज तकनीक ने ज्ञान तक हमारी पहुंच बेहद आसान कर दी है। पहले किसी विषय को समझने के लिए पुस्तकालयों की धूलभरी अलमारियां खंगालनी पड़ती थीं। जबकि आज दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के दुर्लभ व्याख्यान, शोधपत्र और पाठ्यक्रम महज कुछ क्लिक की दूरी पर उपलब्ध हैं। आज हम किसी भी विषय पर वीडियो देख सकते हैं, चाहे छात्र हों या न हों। वास्तव में इस परिवर्तन ने शिक्षा को बेहद लोकतांत्रिक बनाया है। अब गुणवत्तापूर्ण जानकारी केवल बड़े शहरों या प्रतिष्ठित संस्थानों तक सीमित नहीं है। लेकिन एक महत्वपूर्ण अंतर भी पैदा हुआ है। आज जानकारी और ज्ञान एक-दूसरे के पर्याय नहीं रहे। जानकारीयां सिर्फ तथ्यों का संग्रह है, जबकि ज्ञान उन तथ्यों को सही संदर्भ में समझने और उनका विवेकपूर्ण उपयोग करने का माध्यम है। गूगल यह बताता है कि कोई निर्णय कैसे लिया जा सकता है? एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे सामने किसी विषय का सार प्रस्तुत कर सकती है। लेकिन वह हमें जीवन के अनुभव, संवेदना और

मानवीय मूल्यों का स्थान नहीं ले सकती। भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा: भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि शिक्षक केवल पाठ नहीं पढ़ाता बल्कि व्यक्तित्व का निर्माण भी करता है। महर्षि वेदव्यास, आचार्य चाणक्य, गुरु वशिष्ठ, गुरु द्रोणाचार्य से लेकर आधुनिक काल में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे अनेक शिक्षकों ने सिर्फ ज्ञान भर नहीं दिया बल्कि अपने शिष्यों में दृष्टि, आत्मविश्वास और उत्तरदायित्व का भाव भी विकसित किया है, जो किसी भी मशीन या सॉफ्टवेयर के बस में नहीं है। बदल गई शिक्षक की भूमिका: आज के समय में शिक्षक की भूमिका काफी हद तक बदल गई है, लेकिन समाप्त नहीं हुई। पहले शिक्षक ज्ञान का मुख्य स्रोत होता था, अब वह सिर्फ ज्ञान का मार्गदर्शक बनता जा रहा है। पहले छात्र उत्तर जानने के लिए शिक्षक पर निर्भर थे, आज यह काम तो इंटरनेट भी कर देता है। लेकिन सही उत्तर की पहचान करना, उसकी विश्वसनीयता को परखना, विभिन्न विचारों की तुलना करना और उनका विवेकपूर्ण उपयोग करना, अभी भी यह सब भूमिकाएं शिक्षक के पास ही हैं। आज शिक्षक की जिम्मेदारी केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं है बल्कि विद्यार्थियों से प्रश्न पूछने, तर्क करने और स्वतंत्र सोच विकसित करने की क्षमता भी पैदा करना है। और महत्वपूर्ण हो गई भूमिका: वास्तव में एआई या कोई भी तकनीक चाहे जितनी उन्नत हो, लेकिन है तो एक तकनीक ही। यह शिक्षक को स्थानापन्न नहीं कर पाएगी। एआई के बावजूद शिक्षक का काम रचनात्मक उपयोग, पहले से कहीं ज्यादा जरूरी बना रहेगा। एआई के बावजूद शिक्षक का काम शिक्षा को अधिक रोचक बनाना बना रहेगा और एआई के बावजूद शिक्षक व्यक्तिगत और प्रभावी बना रहेगा, यानी एआई हर किसी को एक जैसी सहूलियत नहीं दे सकता। जो एआई के उपयोग में माहिर नहीं है, उन्हें अभी-भी ज्ञान, जानकारीयां और विश्लेषण के लिए शिक्षक की तरफ ही देखना होगा। शिक्षक दिवस के अवसर पर हमें यह भी समझना चाहिए कि गुरु का काम केवल सूचना देना भर नहीं होता। वह जीवन को दिशा देता है।

लघुकथाएं

जीवन सारथी

अपनी सहेली दिव्या से पायल ने दुविधा प्रकट करते हुए कहा, 'मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि मैं यह शादी करूं या नहीं?' 'क्यों क्या हुआ, अच्छे-खासे घर का बहिष्ता कमाने वाला हैडसम बंदा है।' दिव्या ने समझाया। 'असल में जब से सगाई हुई है, तब से हम दोनों की नियमित बात होने लगी है।' 'हां तो यह तो और अच्छी बात है। मैरिज के पहले ही एक-दूसरे को समझने का मौका मिल रहा है।' दिव्या ने उसकी आशंका को कम करना चाहा। 'यहीं से तो मुश्किल शुरू हुई है।' बात-बात पर वह गुस्सा करने लगते हैं। मैं उनसे कहती कुछ हूं और वह उस बात का कुछ और (मनमाता) अर्थ निकालकर मुझ पर ऐसे दोष मढ़ते हैं कि मैं अपराधबोध से ग्रसित हो जाऊं। बात-बात पर मुझसे झूठ भी बोलते हैं। समझ नहीं आ रहा है कि इस रिश्ते के लिए न करूं तो कैसे? डर है इससे सब घर वाले नाराज हो जाएंगे।' पायल ने चिंतित होते हुए सारी बात बताई। 'पागल हो गई हो तुम। जब तुम्हारा भावी साथी अपने व्यवहार से रेंड सिमल दे रहा है, तब क्यों सबकी खुशी के लिए खुद को झोंक देने को तुली हुई हो? अगर तुमने अभी दृढ़ता से मनचाहा निर्णय नहीं लिया तो वह शख्स, ...

ओ हीरो !

राहुल की मोटरसाइकिल का टायर अचानक रास्ते में पंक्चर हो गया। वह पास की एक छोटी-सी ऑटो रियरिंग शॉप पर पहुंचा। वहां लगभग चालीस वर्ष का एक कारीगर बड़ी तमयता से अपना काम कर रहा था। बजते समय उसके एक पैर में हल्की-सी लचक साफ दिखाई दे रही थी। राहुल की आदत थी कि वह हर किसी को हंसते हुए 'क्या हाल है, हीरो!' या 'कैसे हो, हैडसम!' कहकर संबोधित करता था। जैसे ही उसने मुस्कराकर कहा, 'क्यों हीरो, मेरी बाइक का टायर ठीक कर दोगे?' इतना सुनना था कि कारीगर का चेहरा उतर गया। उसने धीमे स्वर में कहा, 'साहब, मजाक मत कीजिए ऊपर वाले ने तो मुझे हीरो बनने लायक छोड़ा ही कहा है?' राहुल उसकी पीड़ा समझ गया। उसने तुरंत गंभीर होकर कहा, 'भैया, मैं मजाक नहीं कर रहा। मेरे लिए हीरो वह होता है जो अपने हुनर और मेहनत ...

देश के कोने-कोने का भरोसा

2 करोड़+ खुश ग्राहक

आपके नजदीकी मोमी मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध। Available at: www.mynushroomworld.com Amazon | Flipkart

वजन बढ़ाने में सहायक

मशरूम एवं 12+ जड़ी-बूटियां

10 दिनों में अस्तर देखें

क्योंकि वजन है, तो वजनवारी है!

Mushroom World Ayurved & Food Pvt. Ltd. For Trade Enquiry - +91 888 922 3333

पुस्तक रचा / विज्ञान भूषण

निष्करुण समय में

हम जिस समय-समाज में जी रहे हैं, वह एक बड़े वर्ग के लिए बहुत निर्मम और निष्करुण है। संतोष की बात है कि हाशिए पर निरंतर धकेले जा रहे ऐसे वर्ग की दबी-दबी ही सही कुछ आवाजें, कविताओं में यदा-कदा सुनाई पड़ जाती हैं। युवा कवि शंकरानंद के नए कविता संग्रह 'नाखून में फंसी मिट्टी' की कविताओं को भी इस नजरिए से देखा जा सकता है। इन कविताओं में जीवन की त्रासदियों को वे बहुत सशक्तता से व्यक्त करते हैं। मिसाल के तौर पर गांव से शहर में विस्थापन की बाध्यता के दर्द को 'मेरे साथ गांव/सिर्फ परिचय में कागज पर है/ बस उतनी ही है

मेरे पास जड़ें/जितनी पैरों के नाखून में फंसी मिट्टी।' (नाखून में फंसी मिट्टी) जैसी पंक्तियां में महसूस किया जा सकता है। किसानों की मनोव्यथा को इस पंक्ति में देखा जा सकता है, 'वह किसी मुलायम मिट्टी जितना भुरभुरा है/इस तरह कि बूने से टूट जाए' (इन दिनों किसान)। इसी तरह 'खी का दुख' कविता की ये पंक्तियां हमें खी जीवन की उस मार्मांतक पीड़ा की अनुभूति कराती हैं, जिसे प्रायः पुरुषों के द्वारा उपेक्षित ही किया जाता रहा है, 'कुछ दुख होते ही हैं ऐसे/जिसे कहा नहीं जाता/जुबान लाचार हो जाती है।' संग्रह की अधिकांश कविताएं हमारे समय की कुरूप छवियों को पूरी संवेदना के साथ सामने रखती हैं।

किताब: नाखून में फंसी मिट्टी (कविता संग्रह), रचनाकार: शंकरानंद, मूल्य: 325 रुपए, प्रकाशक: सेतु प्रकाशन, नोएडा

जन्माष्टमी पर लोकआस्था ही नहीं भक्ति का केंद्र बन जाता है मथुरा



धार्मिक स्थल / वीणा गौतम

भाद्रपद या भादों का महीना आते ही देश के नक्शे पर एक शहर भक्ति और भावना का संगम, आस्था का केंद्र बन जाता है, यह शहर है- भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा। भादों महीने में, जो कल ही आरंभ हुआ है, मथुरा की गलियां अपने आपमें तीर्थ बन जाती हैं। हर गली में मौजूद अनेक मंदिरों वाला यह शहर एक विशाल पूजा स्थल में बदल जाता है।

पूरा शहर हो जाता है कृष्णमय: जन्माष्टमी के दिन तो मथुरा में पूरी रात देश के कोने-कोने से आए लाखों तीर्थयात्री भक्ति का जागरण करते हैं। सिर्फ जन्माष्टमी के दिन ही नहीं, पूरे भादों महीने में यहां देश ही नहीं बल्कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए तीर्थयात्रियों की उत्सवमयी मौजूदगी उल्लास गुंजता रहता है। हालांकि साल के बाकी दिनों में भी मथुरा में तीर्थयात्रियों की भरमार रहती है, लेकिन जन्माष्टमी की तो बात ही अलग होती है। इस दौरान तो जैसे पूरे महीने यह पूरा शहर कृष्णमय उत्सव का साक्षी बन जाता है।

पर्यटकों के ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था: इस साल कृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर 2026 को पड़ रही है और एक पखवाड़े पहले से ही तीर्थयात्रियों की ठहरने वाली सभी जगहें फुल हो चुकी हैं। लेकिन यह बात भी है कि इस शहर में तीर्थयात्रियों को ठहरने की कभी समस्या नहीं रहती, क्योंकि एक दशक पहले प्रचलित हुए, घर पर पर्यटकों को ठहराने की नीति के कारण मथुरा में बहुत सारे लोग इस मौके पर अपने घरों को तीर्थयात्रियों के लिए खोल देते हैं। इस तरह पर्यटकों को सुविधाजनक 'होम स्टे' का आनंद भी मिल जाता है। इसलिए उमड़ता है जन्मसैलाब: भादों के महीने में यहां

कंधे पर टंगा बैग अब सिर्फ किताबों/जरूरी सामानों का कैरियर नहीं रहा। अब बैगपैक भी यंगस्टर्स का स्टाइल स्टेटमेंट बन गए हैं। स्टाइल और कंफर्ट के कॉम्बो वाले ये बैगपैक्स आज के यंगस्टर्स को खूब भा रहे हैं।

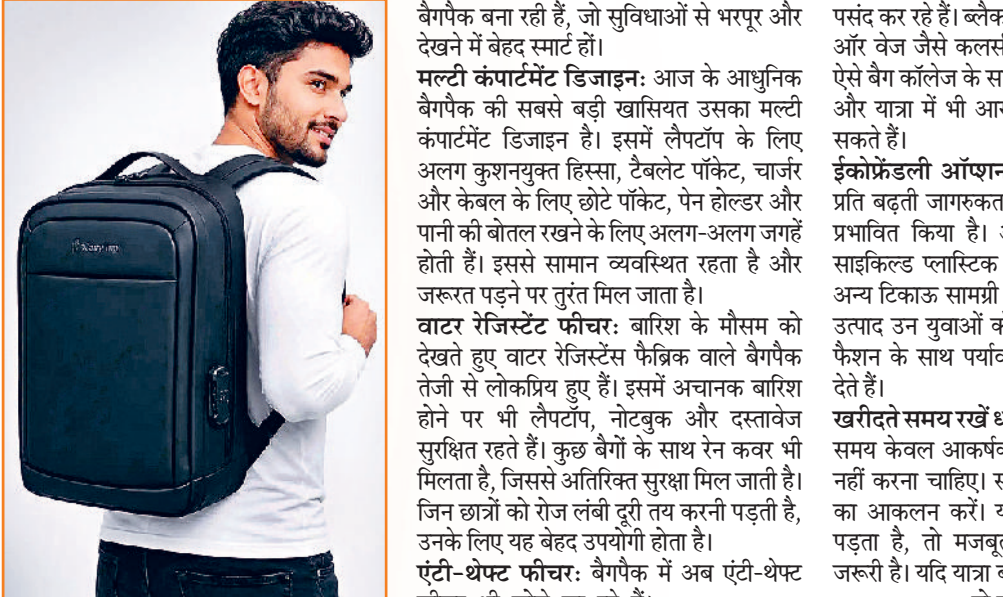
यंगस्टर्स को भा रहे हैं बैगपैक के नए स्टाइल

बैगपैक बना रही हैं, जो सुविधाओं से भरपूर और देखने में बेहद स्माट हो। मल्टी कंपार्टमेंट डिजाइन: आज के आधुनिक बैगपैक की सबसे बड़ी खासियत उसका मल्टी कंपार्टमेंट डिजाइन है। इसमें लैपटॉप के लिए अलग कुशनयुक्त हिस्सा, टैबलेट पॉकेट, चार्जर और केबल के लिए छोटे पॉकेट, पेन होल्डर और पानी की बोतल रखने के लिए अलग-अलग जगहें होती हैं। इससे सामान व्यवस्थित रहता है और जरूरत पड़ने पर तुरंत मिल जाता है। वाटर रेजिस्टेंट फीचर: बारिश के मौसम को देखते हुए वाटर रेजिस्टेंट फैब्रिक वाले बैगपैक तेजी से लोकप्रिय हुए हैं। इसमें अचानक बारिश होने पर भी लैपटॉप, नोटबुक और दस्तावेज सुरक्षित रहते हैं। कुछ बैगों के साथ रेन कवर भी मिलता है, जिससे अतिरिक्त सुरक्षा मिल जाती है। जिन छात्रों को रोज लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, उनके लिए यह बेहद उपयोगी होता है। एंटी-थेफ्ट फीचर: बैगपैक में अब एंटी-थेफ्ट फीचर भी जोड़े जा रहे हैं। छिपी हुई जिप, पीछे की ओर सीक्रेट पॉकेट, मजबूत लॉकिंग सिस्टम, यात्रा के दौरान चोरी या जोखिम को कम करते हैं। मेट्रो, बस और रेलवे स्टेशन जैसी भीड़भाड़ वाली जगहों पर यह सुविधा विशेष रूप से काम आती है। चार्जिंग की सुविधा: टेक्नोलॉजी ने बैगपैक को और भी स्माट बना दिया है। कई बैगों में यूएसबी चार्जिंग पोर्ट दिया होता है, इसमें अंदर पावर बैंक रखकर बाहर लगे पोर्ट से मोबाइल चार्ज किया जा सकता है। ऐसे में लगातार मोबाइल और इंटरनेट पर निर्भर युवाओं को बहुत सुविधा होती है। ये बेफिक्र होकर यात्रा कर सकते हैं।

न्यू ट्रेंड
संध्या सिंह

लेज, कोचिंग, ऑफिस या छोटी-छोटी ट्रेवलिंग, आज के अधिकांश युवा बहुत मूवमेंट करते रहते हैं। ऐसे में बैगपैक अब सिर्फ किताबें ढोने वाला बैग नहीं रह गया, बल्कि युवाओं की रूटीन लाइफस्टाइल, जरूरतों और पर्सनैलिटी का अहम हिस्सा बन चुका है। समय के साथ बैगपैक का स्वरूप भी बदला है। अब युवा ऐसा बैगपैक चाहते हैं, जो स्टाइलिश दिखने के साथ-साथ लैपटॉप की सुरक्षा करे, मोबाइल चार्ज करने में मदद करे, बारिश से सामान को बचाए और भीड़-भाड़ में चोरी से भी सुरक्षित रहे। यही कारण है कि बाजार में 'स्माट बैगपैक' की मांग लगातार बढ़ रही है।

जरूरतों के हिसाब से बदलता बैगपैक: एक समय था, जब बैगपैक का मतलब केवल दो बड़े कंपार्टमेंट और पट्टियां हुआ करता था। लेकिन इस डिजिटल युग में विद्यार्थियों की जरूरतें बदल गई हैं। अब कॉलेज जाने वाले अधिकांश युवाओं के बैग में किताबों के साथ-साथ लैपटॉप, टैबलेट, चार्जर, पावर बैंक, ईयर बड्स, पानी की बोतल और कई अन्य जरूरी सामान भी होता है। इन्हीं बदली जरूरतों को देखते हुए कंपनियां ऐसे



स्माट बैगपैक में हों ये फीचर्स: आपके बैगपैक में ये फीचर्स जरूर होने चाहिए, तभी वो स्माट लगेंगे।

- इसमें लैपटॉप कंपार्टमेंट कुशनयुक्त और सही आकार का हो।
- वाटर रेजिस्टेंट फैब्रिक के साथ रेन कवर जरूरी है।
- एंटी-थेफ्ट पॉकेट और मजबूत जिप, सुरक्षा बढ़ाती है।
- गद्देदार शोल्डर स्ट्रैप और बैक सपोर्ट आरामदायक होने चाहिए।
- कम से कम 20 से 30 लीटर क्षमता वाला बैग कॉलेज छात्रों के लिए पर्याप्त रहता है।
- यूएसबी चार्जिंग पोर्ट जैसी सुविधा उपयोगी हो सकती है, लेकिन गुणवत्ता को प्राथमिकता दें। इस मामले में याद रखें कि खाली बैग का वजन जितना कम होगा, वह उतना ही बेहतर होगा।



जन्माष्टमी के पावन महीने भाद्रपद के आते ही मथुरा सिर्फ एक शहर नहीं रहता, बल्कि लोकआस्था का उल्लासमय केंद्र बन जाता है। कृष्ण जन्माष्टमी की आहट के साथ वहां की गलियां, मंदिर और घाट भक्ति के रंग में रंग उठते हैं। आधी रात जन्मोत्सव के उस अलौकिक क्षण का साक्षी बनने देश-दुनिया से लाखों श्रद्धालु यहां उमड़ते हैं। यहां की विलक्षण मय्यता-दिव्यता पर एक दृष्टि।



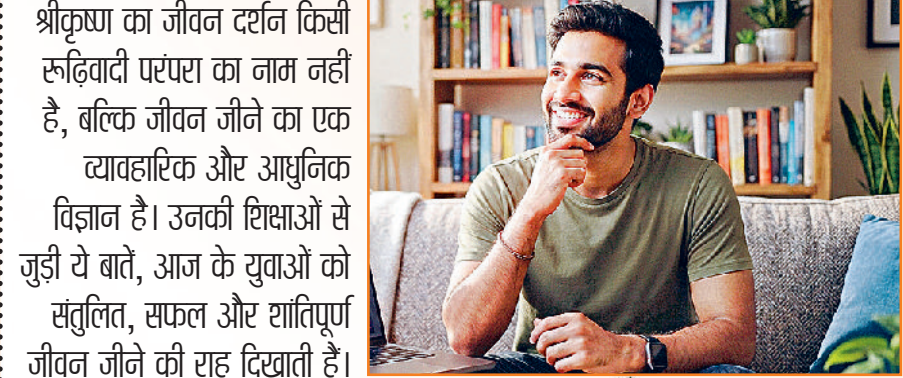
देवकी-वासुदेव को कारागार की सजा, आधी रात में श्रीकृष्ण का जन्म और फिर नवजात शिशु को लेकर वासुदेव का यमुना पार करके गोकुल पहुंचना... हजारों साल से यह कथा भारतीय जनमानस में इस कदर रची बसी है कि यहां आने वाला हर श्रद्धालु, हर जगह श्रीकृष्ण की मौजूदगी देखता है। यही कारण है कि मथुरा आने वाले तीर्थयात्री सिर्फ मंदिर का दर्शन नहीं करते। वे पूरी मथुरा नगरी में अपने होने की अनुभूति करते हैं। जहां-जहां कृष्ण की मौजूदगी के वृत्तांत मौजूद होते हैं, पहुंचकर भक्ति, भावना से हम सराबोर हो जाते हैं। जन्माष्टमी की आधी रात, जैसे ही 12 बजते हैं, मंदिरों में गुंजती

घंटियों की आवाजें और भक्तों का उदघोष मथुरा के साथ-साथ लाइव प्रसारण के माध्यम से पूरी दुनिया में उपस्थित कृष्ण भक्तों के लिए मथुरा जीवंत हो उठता है। मंदिरों की घंटियां शंख, भजन-कीर्तन की ध्वनियों से पूरा शहर गुंज उठता है। **कृष्ण-कथा का विस्तृत सांस्कृतिक भूगोल:** मथुरा का धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व, कृष्ण जन्मभूमि तक ही सीमित नहीं है। इसके आस-पास पूरा ब्रज क्षेत्र, कृष्ण-कथा का विस्तृत सांस्कृतिक भूगोल बन जाता है, मथुरा अगर भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है तो वृंदावन बालकृष्ण की लीलाओं का केंद्र है। वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण, गोपियों के साथ रास करते थे और इसके इर्द-गिर्द बसे गोकुल, गोवर्धन, नंदगांव और बरसाना एक समृद्ध सांस्कृतिक वृत्त बनाता है, जो सावन से लेकर भादों के अंत तक भक्ति भावना में कृष्णमय बना रहता है। भादों के महीने में तो पूरा ब्रज क्षेत्र कृष्ण लीलाओं का विशाल मंच बन जाता है। मंदिर, फूलों और रोशनी से सजा विशाल मंच। जहां झांकियां निकलती हैं, रास लीलाएं होती हैं और भजन-कीर्तन तो अनवरत चलते रहते हैं। जन्माष्टमी के दौरान मथुरा-वृंदावन और पूरा ब्रज क्षेत्र आस्था, संगीत, परंपरा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का विशाल संगमस्थल बन जाता है।

कंफर्ट का पूरा ध्यान: पहले भारी बैग कंधों और पीठ पर अधिक दबाव डालते थे। लेकिन अब ऐसे डिजाइन वाले बैगपैक में गद्देदार शोल्डर स्ट्रैप, सांस लेने योग्य (ब्रीदेबल) बैग पैनल और संतुलित वजन वितरण की व्यवस्था होती है। इससे लंबे समय तक बैग उठाने पर भी कम थकान महसूस होती है। **स्टाइलिश और फैशनबल:** फैशन के मामले में भी अब बैगपैक का स्वरूप पूरी तरह से बदल गया है। पहले जहां चमकीले रंगों और बड़े लोगो का चलन होता था, वहीं आज युवा मिनिमल डिजाइन पसंद कर रहे हैं। ब्लैक, ग्रे, ऑलिव ग्रीन, नेवी ब्लू और वेंज जैसे कलर्स सबसे अधिक पॉपुलर हैं। ऐसे बैग कॉलेज के साथ-साथ ऑफिस, इंटरनैट और यात्रा में भी आसानी से इस्तेमाल किए जा सकते हैं। **ईकोफ्रेंडली ऑप्शन अवेलेबल:** पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता ने भी बैगपैक उद्योगों को प्रभावित किया है। अब कई बैग निर्माता री-साइकल प्लास्टिक बोतलों से बने फैब्रिक या अन्य टिकाऊ सामग्री का उपयोग कर रहे हैं। ऐसे उत्पाद उन युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं, जो फैशन के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी महत्व देते हैं। **खरीदते समय रखें ध्यान:** स्माट बैगपैक खरीदते समय केवल आकर्षक डिजाइन देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। सबसे पहले अपनी जरूरतों का आकलन करें। यदि रोज लैपटॉप ले जाना पड़ता है, तो मजबूत लैपटॉप कंपार्टमेंट होना जरूरी है। यदि यात्रा बहुत ज्यादा करनी पड़ती है, तो एंटी-थेफ्ट फीचर और वाटर रेजिस्टेंट प्राथमिकता होनी चाहिए। बैग का वजन भी खाली अवस्था में बहुत अधिक नहीं होना चाहिए, क्योंकि अतिरिक्त वजन लंबे समय में शरीर पर असर डाल सकता है। आज का बैगपैक केवल सामान रखने की वस्तु नहीं है बल्कि यह मोबाइल आर्गनाइजर बन चुका है। यह छात्रों की दिनभर की जरूरतों को व्यवस्थित रखता है और उनके विभिन्न डिजिटल उपकरणों की सुरक्षा करता है। बदलती जीवनशैली में बैगपैक का यह नया अवतार युवाओं की व्यावहारिक सोच, तकनीकी जरूरतों और फैशन के मेल का बेहतरीन उदाहरण है।



श्रीकृष्ण का जीवन दर्शन किसी रुढ़िवादी परंपरा का नाम नहीं है, बल्कि जीवन जीने का एक व्यावहारिक और आधुनिक विज्ञान है। उनकी शिक्षाओं से जुड़ी ये बातें, आज के युवाओं को संतुलित, सफल और शांतिपूर्ण जीवन जीने की राह दिखाती हैं।



आज के युवा श्रीकृष्ण से सीखें सुकून भरी जिंदगी के सूत्र

जीवन प्रेरणा
शिखर चंद जैन

भगवान श्रीकृष्ण केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शक नहीं हैं, बल्कि वे एक कुशल मनोवैज्ञानिक, संकट प्रबंधक और लाइफ कोच भी हैं। आज की जेनरेशन यानी वह पीढ़ी जो इंटरनेट, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साए में बड़ी हो रही है, एक और अभूतपूर्व अवसरों से घिरी है, तो दूसरी ओर मानसिक तनाव, अकेलेपन, 'फोमो' (फियर ऑफ मिसिंग आउट) और बर्नआउट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। तेज रफ्तार और तुरंत परिणाम चाहने वाली इस दौर के युवाओं के लिए हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र के मैदान में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया गीता का उपदेश आज और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है।

हसल कल्चर का हल: आज के युवा 'हसल कल्चर' (रिजल्ट एंजाइटी) यानी रात-दिन भागदौड़ में उलझे रहते हैं। वे रील्स पर व्यूज, परीक्षाओं में टॉप करने या करियर में तुरंत मोटी सैलरी पाने के दबाव में लगातार जीते हैं। श्रीकृष्ण का सबसे प्रसिद्ध उपदेश है, 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचनः।' इसका अर्थ है कि तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने पर है, उसके फल पर नहीं। श्रीकृष्ण युवाओं को समझाते हैं कि जब हम परिणाम के बारे में बहुत अधिक सोचते हैं, तो हमारी पूरी ऊर्जा एंजाइटी में नष्ट हो जाती है और हम वर्तमान कार्य को पूरी निपुणता से नहीं कर पाते। युवाओं को परिणाम की चिंता छोड़कर अपनी पूरी ऊर्जा प्रोसेस पर लगानी चाहिए।

वैलिडेशन-ट्रोलिंग से निपटने का मंत्र: आज के युवाओं का एक बड़ा हिस्सा अपनी खुशी और आत्म-सम्मान को सोशल मीडिया के लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स की संख्या से मापता है। इस वजह से वे जरा-सी आलोचना या 'ट्रोलिंग' से टूट जाते हैं। गीता में श्रीकृष्ण 'स्थितप्रज्ञ' होने की बात करते हैं यानी ऐसा व्यक्ति, जो सुख और दुःख, मान और अपमान, प्रशंसा और निंदा में एक समान रहता है। युवाओं को यह



समझना होगा कि दूसरों के डिजिटल कमेंट्स या ओपिनियन उनके अस्तित्व को तय नहीं करते। **पीयर प्रेशर-आइडेंटिटी क्राइसिस का समाधान:** आज के दौर में 'ट्रेंड्स' के पीछे भागने की अंधी दौड़ है। युवाओं पर दोस्ती, परिवार और समाज की उम्मीदों का इतना दबाव होता है कि वे अपनी असली पहचान खो देते हैं। श्रीकृष्ण कहते हैं 'श्रैयान्वधर्मा विगुणः परधर्मात्स्वनुष्ठितात।' अर्थात् दूसरों के रास्ते पर चलकर पूर्णता हासिल करने से कहीं बेहतर है कि आप अपने खुद के स्वभाव और क्षमताओं को पहचानें, भले ही उसमें शुरुआत में कुछ कमियां ही क्यों न हों। दूसरों की नकल करके डॉक्टर, इंजीनियर या इन्फ्लुएंसर बनने के बजाय युवाओं को अपनी प्रतिभा को पहचानना चाहिए और खुद के प्रति वफादार रहना चाहिए। **सिचुएशनशिप को संभालने का तरीका:** आधुनिक

समय में रिश्ते बहुत जल्दी बनते और बिगड़ते हैं। श्रीकृष्ण का जीवन और उनकी शिक्षाएं सिखाती हैं कि प्रेम में 'आसक्ति' यानी पर्सिवनेस के बजाय 'अनासक्ति' और निःस्वार्थ भाव होना चाहिए। श्रीकृष्ण ने राधा से प्रेम किया, लेकिन वे

जन्माष्टमी आते ही श्रीकृष्ण की लीलाओं और कृष्ण भक्ति से जुड़े गीत खूब सुनाई पड़ने लगते हैं। हिंदी सिनेमा में भी श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित ऐसे अनेक गीत रचे गए हैं, जो हर किसी की जुबान पर चढ़े हुए हैं। ऐसे ही कुछ लोकप्रिय गीतों पर एक नजर।

कृष्ण-कन्हैया के रंग में रंगो बॉलीवुड के लोकप्रिय गीत

‘अमर प्रेम’ का गीत ‘बड़ा नटखट है रे’

‘खुदा’ का गीत ‘मव गया शोर सारी नगरी रे’

‘ब्लाफ मास्टर’ का गीत ‘गोविंदा आला रे’

‘सत्यम शिवम सुंदरम’ का गीत ‘यशोमती मैया से’

‘मटकी और गोविंदा’ का जिक्र न हो, ऐसा कैसे हो सकता है भला। फिल्म ‘बदला’ (1974) में किशोर कुमार का गाया गीत ‘शोर मच गया शोर, देखो आया माखन चोर’, ‘खुदा’ (1982) का ‘मच गया शोर सारी नगरी रे, आया बिरज का बांका संभाल तेरी गगरी रे’ युवाओं को न सिर्फ जोश

श्रीकृष्ण पर केंद्रित गैर फिल्मी गीत भी हुए लोकप्रिय

श्रीकृष्ण पर केंद्रित लोकप्रिय फिल्मी गीतों के अतिरिक्त भजन गायकों और लोकगायकों द्वारा गाए कुछ गीत भी बहुत पॉपुलर हुए हैं। उदाहरण के तौर पर ‘अरे झरपालों कन्हैया से कह दो’, ‘छोटी-छोटी मैया, छोटे-छोटे ग्वाल’, हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की’, अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम, ‘राधे राधे जपो चले आएं बिहारी जैसे गीतों का जिक्र किया जा सकता है। ये ऐसे गीत हैं जो घर-घर में और मंदिरों में खूब सुने-सुनाए जाते हैं।

आज भी सुना जाता है। ऐसे ही ‘हम साथ साथ हैं’ (1999) का ‘मैया यशोदा ये तेरा कन्हैया’, लगान (2001) का ‘राधा कैसे न जले’ जैसे गीत आज भी लोकप्रिय हैं।